Paper - I

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - I

Time : 2 Hours **(Pages 7)** **Max. Marks : 40**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

12 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

1) i) **उत्तर लिखिए ।** **1**

(1) दुनिया भर में मशहूर पकवान है –

(2) लेखक ने सोचा आज के विकास में दिल्ली नहीं रह गई है

ii) **उत्तर लिखिए ।** **1**

गांधीसमाधि को लेखक ने यहाँ देखा है –

(1) ..... (2) .....

मैं बहुत दिनों से सोच रहा था - दिल्ली जाऊँ । मैं जामनेर, रावेर, पाचोरा बीसियों बार गया हूँ, पर हाय मेरी किस्मत ! मैं चाहकर भी दिल्ली नहीं जा पाया था ।

मेरा पड़ोसी किसनलाल करीब - करीब हर माह दिल्ली जाता है ।

मैंने एक दिन किसनलाल से कहा, ''तुम्हें लाल किला, कुतुबमीनार और जंतर - मंतर इतने प्यारे हैं कि हर माह तुम इन्हें देखने दिल्ली जाते हो ।''

पड़ोसी मेरी बात सुनकर हँसा । फिर बोला, ''आप भी खूब हो शंकर जी, अच्छा मजाक कर लेते हो । आपको आश्चर्य नहीं होना चाहिए जानकर कि मैं बीसियों बार दिल्ली गया हूँ, पर आज तक मैंने न कुतुबमीनार देखा है और न लाल किला । अपने व्यापारी कामकाज

के पीछे इन व्यर्थ बातों में कौन समय बरबाद करे ! हाँ, मैं पहाड़गंज की उस दूकान के लिए अपने हजार काम छोड़ जरूर समय निकालता हूँ जहाँ का छोला - भटूरा दिल्ली में ही नहीं दुनियाभर में मशहूर है ।''

और फिर कुछ रुककर बोला, ''आओ, कभी मेरे साथ दिल्ली छोले - भटूरे के लिए ।''

मैंने यह सुन सोचा आज के विकास में दिल्ली लाल किला, कुतुबमीनार की नहीं रह गई है वह छोले - भटूरे की बन गई है ।

हाँ, तो मैं दिल्ली जाने की सोच रहा था । छोले - भटूरे के लिए नहीं लाल किला, कुतुबमीनार के लिए ।.... खास तौर पर गांधीसमाधि के दर्शनों के लिए ।

गांधीजी की समाधि मैंने केवल समाचारपत्रों और दूरदर्शन के समाचार बुलेटिनों में देखी थी । दिल्ली में जब भी ऊँचे विदेशी मेहमान आते हैं वे राजघाट में गांधीजी की समाधि पर श्रद्धांजली अर्पित करने अवश्य जाते हैं । सालों से यह देख मेरे मन में भी लालसा जागी कि मैं भी गांधीजी को अपने श्रद्धासुमन भेंट करूँ ।

मैंने अपना यह विचार पड़ोसी किसनलाल को कह सुनाया तो वह हँसा और बोला, ''आप भी खूब हैं शंकर जी ! अरे, कोई भी दिल्ली गांधीसमाधि के लिए जाता है क्या !''

''क्या यह गलत है ?'' मैं कह उठा ।

गलत नहीं है, वह बोला, ''बल्कि बहुत ऊँची बात है । तब भी कोई दिल्ली गांधीजी के लिए नहीं जाता । हाँ, आप ऐसा करें दिल्ली सूट का कपड़ा खरीदने जाएँ और इस दौरान गांधीसमाधि को भेंट दें ! आपका दिल्ली जाने का उद्देश्य सूट का कपड़ा होना चाहिए ।''

मुझे लगा, मेरा पड़ोसी ठीक कह रहा है । आज के किसी कड़वे यथार्थ पर तीखा प्रकाश डाल रहा है ।

2) i) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) बेकार → ____

(2) प्रसिद्ध → ____

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।** **1**

(1) स्वदेशी × (2) सही ×

3) 'अपनी ऐतिहासिक धरोहर लाल किले' पर अपने विचार प्रकट कीजिए । **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

1) i) **परिच्छेद पढ़कर उत्तर लिखिए ।** **1**

(1) वाराणसी के राजा का नाम -

(2) कोसल के राजा का नाम -

ii) **उचित पर्याय ढूँढ़कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(1) **राजा ब्रह्मदत्त घूमता-घूमता** .....

(क) घर पहुँच गया।

(ख) जनपद की सीमा पर पहुँच गया।

(ग) ट्रेन में पहुँच गया।

(2) **राजा मल्लिक को भी अभी तक कोई सच्चा** .....

(क) आलोचक नहीं मिला था ।

(ख) साथी नहीं मिला था ।

(ग) साधु नहीं मिला था ।

वह मंत्रियों को राज्य सौंप, भेष बदल, सारथी को साथ ले, रथ पर चढ़ पर्यटन के लिए निकल पड़ा । घूमता - घूमता वह जनपद की सीमा पर पहुँच गया, पर कहीं ऐसे आदमी का पता न चला जो उसके अवगुणों की ओर संकेत कर सके ।

संयोगवश उस समय कोसल के राजा मल्लिक भी अपने आलोचकों की खोज में भ्रमण कर रहे थे । उन्हें भी अभी तक कोई सच्चा आलोचक नहीं मिला था ।

इधर से वाराणसी के राजा ब्रह्मदत्त का रथ जा रहा था, उधर से कोसल के राजा मल्लिक का रथ आ रहा था । रास्ता इतना तंग था कि दोनों रथ एक साथ नहीं निकल सकते थे । रथ पीछे कौन हटाए ?

मल्लिक राजा के सारथी ने ब्रह्मदत्त के सारथी को ललकारकर कहा, ''सारथी ! अपना रथ लौटाओ, मेरे रथ में कोसल के राजा मल्लिक सवार हैं ।''

ब्रह्मदत्त के सारथी ने गर्जना के साथ उत्तर दिया, ''सारथी ! मेरे रथ में वाराणसी के राजा ब्रह्मदत्त सवार हैं, अतएव मैं रथ पीछे नहीं हटा सकता, रथ तुम्हें पीछे हटाना पड़ेगा ।''

राजा ब्रह्मदत्त ने सोचा हम लोग दोनों राजा हैं, अतएव रथ कौन पीछे हटाए ?

तत्क्षण उसे विचार आया कि जो दोनों में उम्र में छोटा हो, वह अपना रथ वापस लौटाए । लेकिन मालूम हुआ कि उम्र में दोनों समान हैं । इसके बाद दोनों के राज्यविस्तार, सेना, धन, यश, जाति, गोत्र, कुल आदि के विषय में पूछा गया लेकिन इन सबमें भी दोनों समान निकले ।

2) i) **परिच्छेद से पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) सँकरा → ____

(2) जिला → ____

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।** **1**

(1) प्रशंसक → _____

(2) झूठा → _____

3) 'आदर्श राजा' के बारे में 6 से 8 वाक्य लिखिए । **2**

विभाग 2 - पद्य **10 अंक**

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(5)**

1) i) **उत्तर लिखिए ।** **1**

नदी महत्व समझाती है -

(1) ---------- (2) ----------

ii) पद्यखंड द्वारा मिली प्रेरणा लिखिए। **1**

(1) ---------- (2) ----------

सतत चलने का,
अथक श्रम के
स्वेदकणों का,
महत्त्व समझाती
सफल जीवन का
रहस्य बताती,
नदी हूँ मैं !
बस एक नदी हूँ -
बहती - बहाती,
हँसती - खिलखिलाती ।

2) निम्न शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त शब्द लिखिए । **1**

i) लगातार → _____

ii) मेहनत → _____

3) 'नदी से क्या प्रेरणा मिलती है' 6 से 8 वाक्यों में स्पष्ट कीजिए । **2**

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (5)

1) i) **उत्तर लिखिए ।** **1**

काव्यांश द्वारा मिलने वाली प्रेरणा ।

(1) ..... (2) .....

ii) **उचित पर्याय लिखिए ।** **1**

(1) **स्वतंत्रता के नए पर्व पर गाइए -**

(क) भारत माँ की जय - जयकार

(ख) भजन

(ग) जनगीत

(2) **सभी दिनों से यह दिन सुंदर है** -

(क) दीवाली का दिन

(ख) स्वतंत्रता का दिन

(ग) होली का दिन

नन्हें - मुन्नें आओ - आओ,
नन्हें - नन्हें कदम बढ़ाओ ।
स्वतंत्रता के नए पर्व पर,
भारत माँ की जय - जय गाओ ।
सभी दिनों से यह दिन सुंदर,
सबके मन का प्यार पा गया !
नाचो, गाओ, धूम मचाओ,
फिर प्यारा त्योहार आ गया !

2) शब्द के अर्थ लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए । **1**

i) पर्व → ____

ii) डग → ____

3) 'सबसे प्यारा देश हमारा' इस पर अपने विचार 6 से 8 वाक्यों में लिखिए । **2**

विभाग 3 - व्याकरण **6 अंक**

प्र.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द पहचानिए । **1**

i) दूर्भाग्यपूर्ण, दुर्भाग्यपुर्ण, दुर्भाग्यपूर्ण

ii) बहूमूल्य, बहुमुल्य, बहुमूल्य

2) **निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

कि

3) i) **काल पहचानिए ।** **1**

अब समय समाप्त हो गया है ।

ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** **1**

साँप ने अनुमतिपूर्वक दाँत निकलवा दिए ।(सामान्य भविष्यकाल)

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

(लहूलुहान होना, गुम - सुम बैठना, अभिभूत हो उठना)

सड़क दुर्घटना में कई लोग **खून से लथ - पथ हो गए** ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

तिलांजलि देना -

विभाग 4 - रचना **12 अंक**

प्र.4. 1) **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **4**

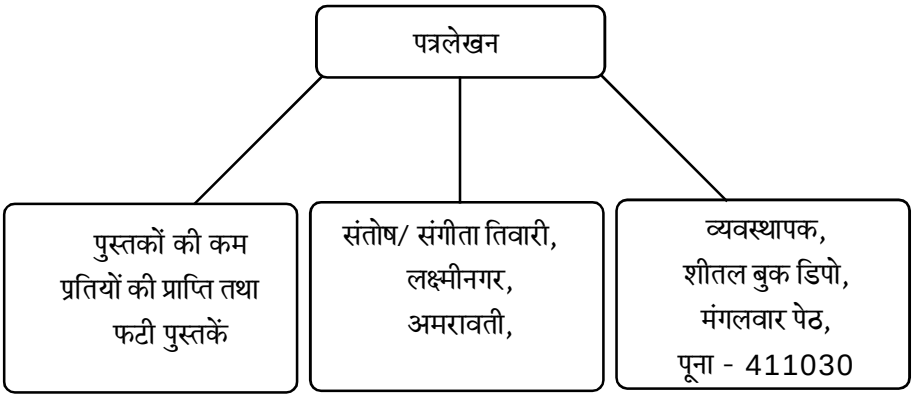

2) **सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए :** **4**

i) Either we are Hindus or Muslims, we are all Indians.

ii) A fair-weather friend leaves us in trouble.

iii) An oily tongue is a key to success.

iv) During famine, even a slice of bread is worth its weight in gold.

3) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उसपर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो । 4

परोपकार मनुष्य के सभी गुणों का मूल है । परोपकार के कारण मनुष्य के जीवन में अनेक प्रकार के गुण आ जाते हैं । परोपकार एक ऐसा जादू है जो मनुष्य के हृदय में पवित्रता, दया, क्षमा, त्याग, प्रेम, आदि गुणों को उत्पन्न करता है । इस प्रकार परोपकार सभी गुणों की खान है । सत्य तो यह है कि परोपकारी मनुष्य साक्षात ईश्वर के समान होता है । उसका हृदय सागर की भाँति विशाल होता है । संपूर्ण मानवसमाज के लिए उसमें प्रेम भरा रहता है । अत: परोपकारी मनुष्य विश्वबंधु होता है । परोपकार से मनुष्य को सच्चा आनंद और सच्चा सुख मिलता है । राजा अपनी शक्ति के बल पर मनुष्य के शरीर पर अधिकार कर सकता है, किंतु परोपकार करने वाला मनुष्य असंख्य मनुष्यों के मन को जीत लेता है ।

Best Of Luck